

# हृदय और धड़कन



## कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीग्र	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

## पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

## कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008

## पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

## कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

## कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेट	+91-91732 04454

## कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

## निओनेटोलोजिस्ट और पीडियाट्रिक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------



## मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स)

जैसे ये विश्व विशाल में से छोटा बनता जा रहा है वैसे ही कार्डियाक सर्जरी भी मेक्सिमली इन्वेसिव में से मीनीमली इन्वेसिव बनती जा रही है। अगर हम कार्डियाक सर्जरी का इतिहास देखें तो पता चलता है की वो सिर्फ १०० साल ही पुराना है।

दृष्टांत के तौर पर देखें तो,

- पहला सफल हार्ट ऑपरेशन : रेहन , १८९६, हार्ट के घाव पे प्रथम बार टाँके लगाए गए
- १९३८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम पीडीए क्लोजर
- १९४८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम एएसडी क्लोजर
- १९५३ में हार्ट लंग मशीन का प्रथम बार उपयोग किया गया
- १९६३ में प्रथम सफल बायपास सर्जरी
- १९९८ में कार्पेन्टियर द्वारा प्रथम रोबोटिक सर्जरी

हार्ट एक लगातार गतिशील एवं क्रियाशील अंग है और उसके साथ ही शरीर के लिए एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग है। कार्डियाक सर्जरी के दौरान सावधानी बरतना



बहुत जरूरी है। जिसकी वजह से अभी तक एंडोस्कोपिक या थोराकोस्कोपिक कार्डियाक सर्जरी में बेपरवाही के लिए स्थान नहीं है। ५ साल से मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी का विकास हुआ है जिसमें आशापूर्ण परिणाम मिले हैं।

ज्यादा से ज्यादा कार्डियाक सर्जरी इस मिक्स प्रक्रिया द्वारा की जा रही है। मिक्स प्रक्रिया सिखने में लम्बा समय लग जाने के कारण एवं तकनीकी रूप से जटिल होने के कारण विश्वभर में इतनी मान्यता मिली नहीं है। भारतमें भी १-२ साल से ही यह पद्धति को गति मिली है और धीरे धीरे वह कार्डियाक सर्जरी क्षेत्र का हिस्सा बन रही है।

### हार्ट सर्जरी का परंपरागत अभिगम

स्टैण्डर्ड मिडलाइन स्टरनोटॉमी इनसिशन (चीरा) के जिसमें छाती की हड्डी को गरदन से ऊपर के पेट की तरफ पूर्ण रूप से चीरा जाता है ३ सामान्यतः ८ से १० इंच का लम्बा मिडलाइन चीरा किया जाता है।

### परंपरागत अभिगम के फायदे

- हार्ट सर्जन द्वारा की जाती प्रक्रिया हे इसलिए परिस्थिति सर्जनके नियंत्रण अधीन रहती है
- सर्जन समस्त जटिल एवं जोखिमी प्रक्रिया कर सकते हैं



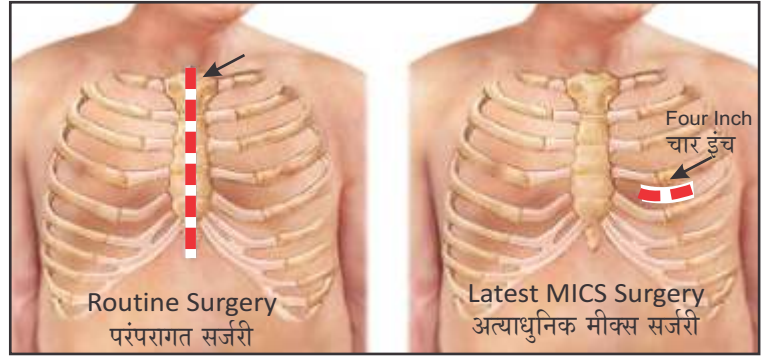
- सर्जन ऑपरेशन टेबल पर आ सकती कोई भी समस्या को सुलझानेमें सक्षम होते है
- भूतकालमे सर्जननी तालिम यह अभिगम से होने से सर्जन सर्जरी दौरान स्वस्थ और द्रढ होते है

### परंपरागत अभिगम के नुक्सान

- पुसली के फ्रेक्चर के कारण पीड़ा एवं वर्टिबो कोस्टल दबाव की वजह से पीठमे दर्द
- घावमे मुश्किल आना और छाती की हड्डीमें सक्रमण होने का ऊँचा दर
- छातीकी हड्डीको काटना फ्रेक्चर गिना जाता है जिसकी वजह से सम्पूर्ण रिकवरी के लिए ३ माह का आराम देना जरूरी होता है जिसकी वजह से ओपन हार्ट सर्जरीके तमाम नियंत्रण लागू किये जाते हे
- धीमी रिकवरी और हलन चलन में विलम्ब होने की वजह से आईसीयू एवं हॉस्पिटल में लम्बे समय तक रुकना हो सकता हे
- युवा दर्दीओमें कॉस्मेटिक के लगाती समस्याएँ
- बड़े दाग जैसे की केलॉइड्स , वायर साइडनस एवं न्यूरोलॉजिकल पीड़ा वगैरह

### मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य कार्डियाक ऑपरेशन की परंपरागत पद्धति से जुडी हुई उदासी को कम करना है। उदासी कम करने से हमारा मतलब है ऑपरेशन की वजह से दर्दीको कम असर हो।



### मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) की व्याख्या

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का मतलब छाती की हड्डी को काटने के बाद अथवा छोटे चीरे के द्वारा छाती की हड्डी को अंशतः काटके की जाती कार्डियाक सर्जरी।

### सर्जरी के प्रभाव को कम करने के कुछ उपाय हे जैसे की

1. एक रास्ता हे की छाती की हड्डी को काटना टाले। ऐसा करने से दर्दी काम पर या सामान्य कार्य जल्द ही शुरू कर सकते है। दर्द कम होता है और छातीकी हड्डी में संक्रमण की शक्यता कम हो जाती है। ज्यादा तर वाल्वुलर ऑपरेशनमें और कुछ कोरोनरी बायपास ऑपरेशन में स्टर्नॉटॉमी को टाला जा सकता है। इसमें छातीकी हड्डी को नहीं काटने से हड्डीओं के बदले कोमल टिशुओं को रुजाना होता है जिसकी वजह से दर्द कम होता है एवं ऑपरेशन के बाद की रिकवरी जल्दी होती है।

आगे पढे पेज नं. ०४



### राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (National Doctors Day)

स्वास्थ्य सेवा के प्रणेताओ के सम्मान में मनाया जाता है।  
हर पल और हर दिन।  
सिम्स अस्पताल के सभी डॉक्टरों को  
सलाम करता है जो हमारे लिए लड़ रहे हैं।



डॉ धीरेन शाह और उनकी टीम कोविड महामारी  
इस बीच हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी के दौर से गुजर रहे  
**एक मरीज की पहली वर्षगांठ मनाई**

२. कार्डियाक सर्जरी के प्रभाव को कम करने का एक रास्ता हे हार्ट लंग मशीन यानि की कार्डियोपल्मोनरी मशीन का उपयोग टाला जाये । हार्ट लंग मशीन के साथ कुछ समस्याएँ जैसे की स्ट्रोक, यादशक्ति कम होना, किडनी फ़ैल होना, लंग फैल्योर एवं रक्तस्राव जुड़े हुए है । फिर भी हार्ट लंग मशीन वाल्व रिप्लेसमेंट , एएसडी क्लोज़र या जन्म से हार्ट रोग जैसे कई हार्ट ऑपरेशन में आवश्यक है फिर भी सब से सामान्य कार्डियाक ऑपरेशन - कोरोनरी आर्टरी बायपास ऑपरेशन जैसे अन्य ओपरेशनमे इसका उपयोग टाला जा सकता है ।

## ऑफ़ पम्प कोरोनरी रिवास्कुलराइज़ेशन

### विथ एंडोस्कोपिक वेसल हार्वैस्टिंग

- बीटिंग हार्ट सीएबीजी ग एंडोस्कोपिक वेडन हार्वैस्ट या रेडियल आर्टरी हार्वैस्टिंग
- सीएबीजी से सम्बंधित तनाव को कम करता सर्व-भूत अभिगम
- सर्जिकल रिवास्कुलराइज़ेशन के लिए कम चीरा लगाने का विकल्प

### नॉन-स्टर्नोटॉमी अभिगम

यह अभिगममें पूरी लंबाई की मिडलाइन स्टर्नोटॉमी को टाला जाता है । इसके बदले पुसलीओ के बिच में (थोरेक्टमी अभिगम) का उपयोग किया जाता है जिसमे कोई भी हड्डीको काटा नहीं जाता है या सामान्य ३ -४ इंच के चीरे के साथ अंशतः स्टर्नोटॉमी की जाती है ।

### मीक्स अभिगम के उपयोग से की जाती प्रक्रिया

१. राइट थोरेक्टमी के द्वारा आर्टीयल सेप्टल डिफेक्ट क्लोज़र (हृदय में जन्म से छेद को बंध करना )
२. राइट थोरेक्टमी द्वारा माइट्रल वाल्व रिपेर या रिप्लेसमेंट (वाल रोग)
३. अंशतः अपर स्टर्नोटॉमी या स्मॉल राइट थोरोकोटोमी द्वारा एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट
४. बाएं इंटरनल मेमरी आर्टरी एवं रेडियल आर्टरी का उपयोग कर के बायीं तरफ ४ - ५ पंसलीओ के बिच से सिंगल या डबल वेसल बीटिंग हार्ट सीएबीजी

### यह सर्जरी के लिए परिवर्तन

मीक्स प्रक्रियामें ओपन हार्ट सर्जरी प्रक्रियामें परंपरागत सीधी ऊपरी एओर्टा एवं दांयी एट्रियम की केन्युलेशन के बदले कार्डियोपल्मोनरी बायपास अलग अलग रस्ते से प्रस्थापित किया जाता है । इसमें एसवीसी गले में पंक्चर कर के केन्युलेट किया जाता है एवं आईवीसी एओर्टा फेमरल के रस्ते से केन्युलेट किया जाता है । यह तकनीक में विशेष साधन और केन्युलस तथा ट्रांस एसोफेगल इकोकार्डियोग्राम की ऑपरेशन रुममें

जरूर होती है और विशेष तालिम की जरूर होती है । सब केन्युलस ऑपरेटिव एरिया की बहार होने से सर्जरी के लिए मात्र वर्किंग स्पेस की जरूर होती है और ये विशेष लम्बे साधन के द्वारा ३ - ४ इंच का चीरा लगा के किया जा सकता है ।

### मीक्स अभिगम के फायदे

- कम से कम चीर - फाड़ की प्रक्रिया जिसकी वजह से दर्द कम होता है
- आईसीयू एवं हॉस्पिटल में कम ठहरना
- ज्यादा जोखिम वाले दर्दी जिनके फेफड़े खराब हो गए हो या स्ट्रोक आया हो उनके लिए उपयोगी
- स्ट्रोक के दर्दी को जल्दी हलनचलन के लिए विशेषरूप से महत्वपूर्ण
- जल्दी रिकवरी की वजह से दैनिक दिनचर्या में जल्दी जुड़ सकते है । जिसकी वजह से इलेक्ट्रिशियन , सुथार, ड्राइवर १ महीने के अंदर ही काम पर जा सकते है ।
- अच्छा कार्डियाक रिहैबिलिटेशन
- सुंदरता को कोई क्षति नहीं पहुँचती है - महिलाओ को स्तन एवं थाई फोल्ड पे घाव के निशान आते हे जो दीखते नहीं है । युवा महिलाए पुरे विश्वास के साथ यह सर्जरी करवा सकते है और कोई भी प्रकार की मनोग्रंथि के बिना फैशनेबल वस्त्र पहन सकते है ।

### मीक्स प्रक्रिया के लिए मरीजो की पसंदगी के मापदंड

- तमाम निर्देशित मरीज़
- युवा वय पहली पसंदगी
- सामान्य पेरिफेरल वास्कुलर सिस्टम
- सम्बंधित को-पैथोलॉजी की अनुपस्थिति और पहले किया गया ऑपरेशन
- योग्य मूल्यांकन होना बहुत जरुरी हे जिससे ऑपरेशन टेबल पे कोई अकथ्य घटना होते टाला जाए
- दर्दी की इच्छा

### क्या मीक्स प्रक्रिया सबके लिए संभव है ?

#### मीक्स निम्नलिखित मरीजों के लिए संभव नहीं है जैसे की

- मल्टिपल पैथोलॉजी हो
- पेरिफेरल वास्कुलर रोग
- सम्बंधित प्राकृतिक लक्षण
- दांयी और ग्राफिटिंग मुशिकल होने से सीएबीजी के केस में मल्टिवेसल रोग
- बहोत ही स्थूल दर्दी पर थोरेक्टमी करना मुशिकल होता है





- भारत में प्रथम हायब्रीड बायपास
- मीक्स पद्धति से ऑपरेट किये गए मरीजों में अन्य सेंटरों की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाला परिणाम

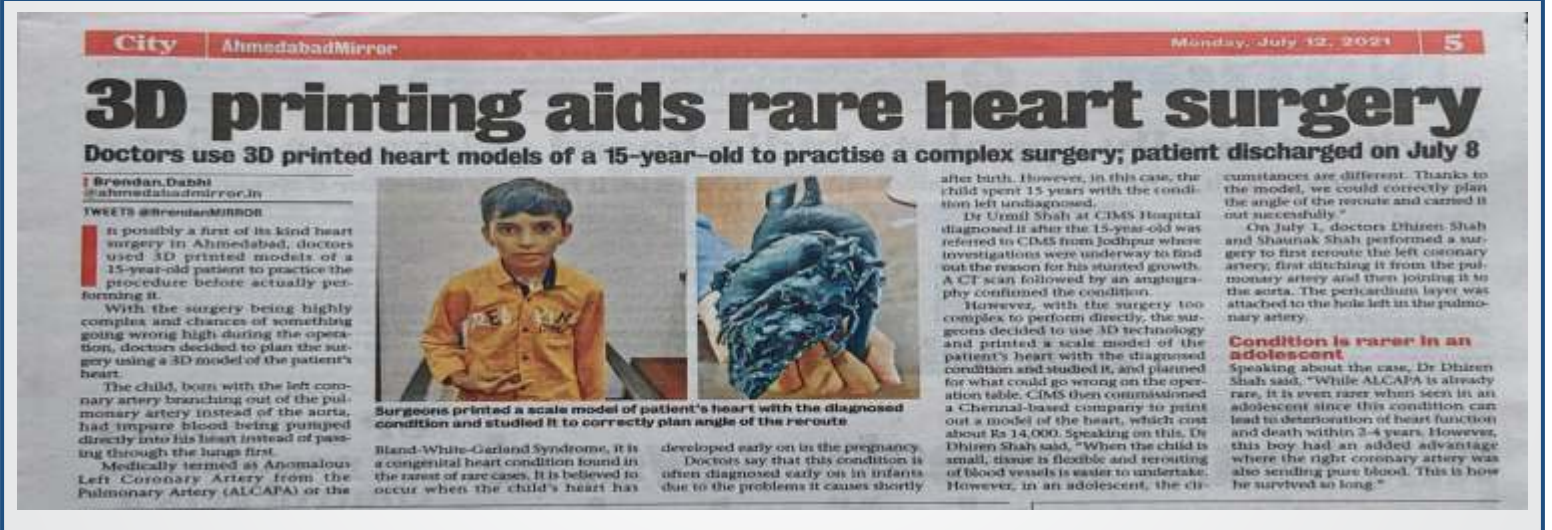
### निष्कर्ष

अंत में इतना ही की, सर्जनों के पास यह नई तकनीक आई है और उसका फायदा मरीजों को जरूर है। यह ऐसी तकनीक है जिसमें हार्ट सर्जरी में पसंदगी के मरीजों को पीड़ा एवं रिकवरी समय में नोंधपात्र कमी होती है। मीक्स प्रक्रिया कार्डियाक मरीजों के लिए सच में वरदानरूप है जो युवा मरीजोंमें तनाव कम कर परिणामो को सुधरता है। जरूर से यह विकल्प सब मरीजों के लिए नहीं है पर पसंदीदा दर्दीओ के लिए यह अच्छा विकल्प है। पुराणी सर्जरी के साथ नया अभिगम है और नया ऑपरेशन है जिससे हज़ारो मरीजोंको ठीक करने की सक्षमता रही हुई है। यह प्रवाह जारी रहेगा और पुरानी समस्याओ को नई तकनीकों के साथ समाधान लाया जा सकेगा।

### सिम्स हॉस्पिटल में हमारा अनुभव

- अहमदाबाद एवं पश्चिम भारत में सम्पूर्ण सुसज्जित मीक्स प्रोग्राम शुरू करने वाला प्रथम अधिकृत सेंटर
- अभी तक २००० से ज़्यादा सफल केस

सिम्स अस्पताल के डॉक्टर वास्तविक सर्जरी से पहले जटिल सर्जरी का अभ्यास करने के लिए 18 वर्षीय 3डी प्रिंटेड हार्ट मॉडल का उपयोग करते हैं। सर्जरी सफल रही, मरीज को छुट्टी दे दी गई और वह ठीक है।



## सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

एमनिएंट रिसर्च हेल्थकेयर लीडरशिप अवार्ड 2021 में बेस्ट मल्टी-स्पेशालीटी हॉस्पिटल, भारत

हम इसे अपने मरीजों के विश्वास के साथ पुरस्कृत करते हैं और हमारे सिम्स परिवार को निस्वार्थ भाव से समर्पित करते हैं।

# सिम्स में सफलतापूर्वक संपन्न हुई 700 ग्राम वजन की नवजात के दिल की सर्जरी

सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने 24 दिन की नवजात बच्ची की सर्जरी में किया कई चुनौतियाँ का पार ।

अहमदाबाद: एक अद्भुत और बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में, एक प्रीमैच्योर (समय से पूर्व होने वाले बच्चे) 900 ग्राम के नवजात के हृदय की शल्य चिकित्सा स्थानीय सीआईएमएस में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 24 दिन की इस नवजात बच्ची के हृदय में विकार था जिसके लिए यह सर्जरी की गई।

इस नवजात बच्ची का जन्म मेहसाणा के खेरालु में हुआ था और इसे जन्म से ही 'पेटेंट डक्ट्स आर्टिरियोसिस' नामक हृदय विकार था। इस स्थिति में डक्ट्स आर्टिरियोसिस, जो कि सामान्यतः जन्म के समय बन्द हो जाता है, वह खुला रह जाता परिणामस्वरूप ऑक्सीजन युक्त खून शरीर में सर्क्युलेट होने की बजाय, वापस फेफड़ों की तरफ जाने लगता है।

यह नवजात, एंजिया (सांस में रुकावट) वाली स्थिति में आ गई थी और अचानक इसने सांस लेना बंद कर दिया था। सीम्स के पीडियाट्रिक कार्डियोलोजिस्ट डॉ. दिव्येश सादड़ीवाला ने इसका परीक्षण किया और सर्जरी के लिए रेफर किया।

सिम्स में पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जन, डॉ. शौनक शाह, ने बताया- "इस हृदय विकार को सुधारने के लिये, पीडीए लाईगेशन (ब्लड वेसल को बांधकर बन्द कर देना) सर्जरी की जरूरत होती है लेकिन इस केस में यह कई सारे कारणों से बहुत रिस्की थी। बेबी का जन्म समय से पहले हो गया था और उसका वजन बहुत कम था। उसका क्रिएटिनिन लेवल बहुत अधिक था जो कि किडनी के ठीक तरह से काम न करने की ओर इशारा कर रहा था। साथ ही बेबी में



कुछ संक्रमणों के लक्षण भी दिखाई दे रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जन्म से ही वजन कम होने से बेबी की स्थिति बहुत नाजुक हो गई थी। इसके बावजूद हमने पीडीए लाईगेशन सर्जरी की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया क्योंकि यही एकमात्र विकल्प था।"

डॉ. शाह ने बताया कि शनिवार को बच्ची की पीडीए लाईगेशन सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। सिम्स की एनेस्थेसिया टीम का नेतृत्व डॉ. नीरेन भावसार, डॉ. हीरेन ढोलकिया, डॉ. चिंतन शेठ ने किया। सीआईएमएस के नियोनेटल एवं पीडियाट्रिक इंटेन्सिविस्ट, डॉ. अमित चितलिया भी नवजात का जीवन बचाने में सफल रही इस सर्जरी करने वाली टीम का हिस्सा रहे। बच्ची अभी रिकवर कर रही है। डॉ. अमित ने कहा- 'सिम्स में अब तक की गई सर्जरीज़ में यह नवजात सबसे कम वजन की और

संभावित रूप से सबसे छोटी बच्ची थी जिसका ऑपरेशन हमने किया। बल्कि शायद पूरे गुजरात में यह सबसे छोटी नवजात हो जिसकी कार्डियक सर्जरी की गई है।'

उल्लेखनीय है कि बाकी चुनौतियों के अलावा कम वजन वाले शिशुओं में हाइपोथर्मिया होने की भी आशंका होती है। इसका मतलब होता है शरीर के तापमान का अचानक कम हो जाना। यही कारण था कि सर्जरी टीम ऑपरेशन के दौरान एयरकंडीशनर भी चालू नहीं कर सकी। यही नहीं, नवजात को इंफेंट वॉर्मर पर ऑपरेट किया गया।

ये सभी अतिरिक्त चुनौतियाँ थीं। लेकिन टीम एफर्ट्स और सपोर्ट सिस्टम की वजह से हम इस काम में सफल हुए। यहां सिम्स फाउंडेशन के सहयोग का विशेष उल्लेख भी आवश्यक है, जो कि हमेशा से नवजात मरीजों की इस तरह की जान बचाने वाली सर्जरीज़ में मदद करता रहा है।' उन्होंने आगे कहा।

## सिम्स आर्थोपेडीक्स

### फुट और ऐंकल (पैर और पैर की टखने)

### गुजरात में मिनीमल इन्वेसीव फ्लैटफुट रीकन्स्ट्रक्शन सर्जरी



कार्डियाक रीहेबीलीटेशन का मतलब हृदय रोग के मरीजों का पुनर्वास में विशेष रूप से ५ घटके शामिल हैं।



कार्डियाक  
रीहेबीलीटेशन  
क्या है



**नियमित रूप से व्यायाम करें:**

देखरेख में काम करने से लेकर बगीचे में घूमने तक।



**हृदय को स्वस्थ और स्वस्थ रखने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन**

इनमें ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं जिनमें कम नमक और साबुत अनाज, फल, सब्जियां, कम चर्बी वाले मांस और मछली शामिल हैं।



**तनाव कम करना**

विश्राम तकनीकों, मनोरंजन, संगीत और अन्य विभिन्न तरीकों के माध्यम से अपने दैनिक तनाव को नियंत्रित करना सीखें।



**मैडीकल थेरापी**

अपने डॉक्टर की सलाह को समझें और उसका पालन करें और सलाह के अनुसार नियमित रूप से अपनी दवाएं लें।



**धूम्रपान छोड़ने**

अधिकांश कार्डियाक रीहेब कार्यक्रम इस बुरी आदत को छोड़ने के तरीके सुझाते हैं।

Courtesy :

 **CardioSmart**  
American College of Cardiology

अपॉइन्टमेंट के लिए : +91-79-4805 1008 | +91-98250 66661

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

15<sup>th</sup>

हार्ट ट्रान्सप्लान्ट

जुलाई 17, 2021



30<sup>th</sup>

लिवर ट्रान्सप्लान्ट

जुलाई 16, 2021



13<sup>th</sup>

किडनी ट्रान्सप्लान्ट

जुलाई 22, 2021



"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20<sup>th</sup> of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> of every month under

Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31<sup>st</sup> December, 2021

Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट, सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

# सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद



उम्र महज एक संख्या मात्र है :

91 वर्षीय वृद्धा का बुलंद हौसला :

कोरोना और दिल के दौरों की बीमारी को एक साथ परास्त किया

सुशीलाबेन ने कोविड-19 से रिकवर होने के साथ ही सिम्स में हृदय की एंजियोप्लास्टी भी करवाई

CIMS Hospital - Care Institute of Medical Sciences

**f** LIKE US, FOLLOW & CHECK-IN



CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेंसरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।